

याव्य- वर्णी का सार्थक समूह शाब्द कुरूलाता है-भेष- कि कि न प्राचन, कि कि कि कालम = कलम विशेष - वर्णी का व्यवस्थित समूह वर्ण माला कहलाता जिम- अ, आ, इ, ई, ----



आधार ावर के आधार पर (ii) (iv liii वाधकु



1) उत्पत्ति / स्रोल के आधार पर शब्द -

ा तत्यम् शब्द - तत्र + समान > अर्थात सैस्कृत के समान मैस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिन्दी में ज्यों के त्यों प्रयुक्त किए जाते हैं, तत्सम शाब्द कुरताते हैं, जैसे- उष्ट्र, कर्ण, क्षेत्र, पूर्ण, कर्पटा, तृण, अहरातिका, मनुष्य



(11) तर्भव शब्द - तर् + भव । अर्थार मैस्क्रल मे पदा होना वे शाष्प जो सैस्क्रत से पेंपा इस हैं अर थोड़ में जुप परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रयोग किए जाते हैं, तहभव शब्द कुहमाते हैं-अमे- उद्र- ऊँट, कर्ग-कान क्षेत्र-खेत, पूर्ण-पूरन, वर्षर- कएड़ा, तृग-तिनका, अवतालिका-अतरी, मनुष्य-मानुष